वर्ष-17 अंक-225 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 17 अगस्त 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

सीएसए में धूमधाम से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

कानपुर (नगर छाया समाचार)।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा 77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमर शहीद स्वतंत्रा संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए। इसके बाद मुख्य भवन पर कुलपति द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के बाद विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया।कुलपति ने अपने संबोधन में 75 वें अमृत काल के उपलक्ष पर कृषकों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को 77वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि मैं उन सभी वीर योद्धाओं को नमन करता हूं एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं जिनकी वजह से आज मैं इस दिन को मना रहा हूं। कुलपति ने कहा कि स्वाधीन होने के बाद से खाद्यान्नों में 5 गुना, उद्यानिकी फसलों में 9 गुना, मछली क्षेत्र में 12.5 गुना, दुग्ध क्षेत्र में 9 गुना एवं अंडा उत्पादन के क्षेत्र में 39 गुना वृद्धि हासिल हुई है। इस वृद्धि में हमारे विश्वविद्यालय एवं प्रदेश के किसानों का प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कुलपति ने कहा कि हमारा देश आज खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु हम इसे विभिन्न देशों को निर्यात भी कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भी हम अग्रणी हैं कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में 11.8 प्रतिशत कृषि अंतर्गत क्षेत्रों के साथ 20 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन कर हमारा प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। तिलहन, दलहन उत्पादन के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 300 से अधिक फसल प्रजातियों का विकास किया गया है।साथ ही प्रसार के क्षेत्र में कृषकों के क्षेत्रों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि आज हमें प्रत्येक गांव में न्यूट्रीफार्मिंग, न्यूट्री गार्डनिंग के साथ ही जलवायु स्मार्ट गांव की दिशा में अपने अनुसंधान एवं प्रसार कार्यों को अपने मुख्य एजेंडा में लेना आवश्यक है। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि झंडारोहण के बाद वृक्षारोपण भी किया गया। तथा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव सिंह ने बताया कि ससमय सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रशासनिक भवनों पर झंडारोहण किया गया। इस अवसर पर कुलपति की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता सिंह सहित छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष, निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, डीन गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग,डीन कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य,विश्व विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

WORLD खबर EXPRESS
WORLD
बुधवार
16 अगस्त, 2023
अंक - 11
खबर एक्सप्रेस

सीएसए में धूमधाम से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा 77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमर शहीद स्वतंत्रा संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए। इसके बाद मुख्य भवन पर कुलपति द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के बाद विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया।कुलपति ने अपने संबोधन में 75 वें अमृत काल के उपलक्ष पर कृषकों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को 77वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि मैं उन सभी वीर योद्धाओं को नमन करता हूं एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं जिनकी वजह से आज मैं इस दिन को मना रहा हूं। कुलपति ने कहा कि स्वाधीन होने के बाद से खाद्यान्नों में 5 गुना, उद्यानिकी फसलों में 9 गुना, मछली क्षेत्र में 12.5 गुना, दुग्ध क्षेत्र में 9 गुना एवं अंडा उत्पादन के क्षेत्र में 39 गुना वृद्धि हासिल हुई है। इस बृद्धि में हमारे विश्वविद्यालय एवं प्रदेश के किसानों का प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कुलपति ने कहा कि हमारा देश आज खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु हम इसे विभिन्न देशों को निर्यात भी कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भी हम अग्रणी हैं कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में 11.8त्न कृषि अंतर्गत क्षेत्रों के साथ 20त्न खाद्यान्न उत्पादन कर हमारा प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। तिलहन, दलहन उत्पादन के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 300 से अधिक फसल प्रजातियों का विकास किया गया है।साथ ही प्रसार के क्षेत्र में कृषकों के क्षेत्रों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि आज हमें प्रत्येक गांव में न्यूट्रीफार्मिंग, न्यूट्री गार्डनिंग के साथ ही जलवायु स्मार्ट गांव की दिशा में अपने अनुसंधान एवं प्रसार कार्यों को अपने मुख्य एजेंडा में लेना आवश्यक है। मीडिया

प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि झंडारोहण के बाद वृक्षारोपण भी किया गया। तथा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव सिंह ने बताया कि ससमय सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रशासनिक भवनों पर झंडारोहण किया गया। इस अवसर पर कुलपति की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता सिंह सहित छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष, निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, डीन गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग,डीन कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य,विश्व विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

Title-code: UPHIN-48963
E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

,17,08,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में धूम धाम से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा 77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमर शहीद स्वतंत्रा संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए। इसके बाद मुख्य भवन पर कुलपति द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के बाद विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया।कुलपति ने अपने संबोधन में 75 वें अमृत काल के उपलक्ष पर कृषकों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को 77वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि मैं उन सभी वीर योद्धाओं को नमन करता हूं एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं जिनकी वजह से आज मैं इस दिन को मना रहा हूं। कुलपति ने कहा कि स्वाधीन होने के बाद से खाद्यान्नों में 5 गुना, उद्यानिकी फसलों में 9 गुना, मछली क्षेत्र में 12.5 गुना, दुग्ध क्षेत्र में 9 गुना एवं अंडा उत्पादन के क्षेत्र में 39 गुना वृद्धि हासिल हुई है। इस बृद्धि में हमारे विश्वविद्यालय एवं प्रदेश के किसानों का प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कुलपति ने कहा कि हमारा देश आज खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु हम इसे विभिन्न देशों को निर्यात भी कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भी हम अग्रणी हैं कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में 11.8% कृषि अंतर्गत क्षेत्रों के साथ 20% खाद्यान्न उत्पादन कर हमारा प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। तिलहन, दलहन उत्पादन के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 300 से अधिक फसल प्रजातियों का विकास किया गया है।साथ ही प्रसार के क्षेत्र में कृषकों के क्षेत्रों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि आज हमें प्रत्येक गांव में न्यूट्रीफार्मिंग, न्यूट्री गार्डनिंग के साथ ही जलवायु स्मार्ट गांव की दिशा में अपने अनुसंधान एवं प्रसार कार्यों को अपने मुख्य एजेंडा में लेना आवश्यक है। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि झंडारोहण के बाद वृक्षारोपण भी किया गया। तथा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव सिंह ने बताया कि ससमय सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रशासनिक भवनों पर झंडारोहण किया गया। इस अवसर पर कुलपति की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता सिंह सहित छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष, निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, डीन गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग,डीन कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य,विश्व विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

Your Advertisement
HERE
520 x 260

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

224 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, गुरूवार, 17 अगस्त, 2023 पृष्ठः 8 मूल्यः 0

सीएसए में धूम धाम से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह द्वारा 77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमर शहीद स्वतंत्रा संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए। इसके बाद मुख्य भवन पर कुलपति द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्र गान के बाद विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया।कुलपति ने अपने संबोधन में 75 वें अमृत काल के उपलक्ष पर कृषकों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को 77वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि मैं उन सभी वीर योद्धाओं को नमन करता हूं एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं जिनकी वजह से आज मैं इस दिन को मना रहा हूं। कुलपति ने कहा कि स्वाधीन होने के बाद से खाद्यान्नों में 5 गुना, उद्यानिकी फसलों में 9 गुना, मछली क्षेत्र में 12.5 गुना, दुग्ध क्षेत्र में 9 गुना एवं अंडा उत्पादन के क्षेत्र में 39 गुना वृद्धि हासिल हुई है। इस बृद्धि में हमारे विश्वविद्यालय एवं प्रदेश के किसानों का प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कुलपति ने कहा कि हमारा देश आज खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु हम इसे विभिन्न देशों को निर्यात भी कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भी हम अग्रणी हैं कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में 11.8: कृषि अंतर्गत क्षेत्रों के साथ 20: खाद्यान्न उत्पादन कर हमारा प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। तिलहन, दलहन उत्पादन के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 300 से अधिक फसल प्रजातियों का विकास किया गया है।साथ ही प्रसार के क्षेत्र में कृषकों के क्षेत्रों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि आज हमें प्रत्येक गांव में न्यूट्रीफार्मिंग, न्यूट्री गार्डनिंग के साथ ही जलवायु स्मार्ट गांव की दिशा में अपने अनुसंधान एवं प्रसार कार्यों को अपने मुख्य एजेंडा में लेना आवश्यक है। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि झंडारोहण के बाद वृक्षारोपण भी किया गया। तथा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव सिंह ने बताया कि ससमय सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रशासनिक भवनों पर झंडारोहण किया गया। इस अवसर पर कुलपति की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता सिंह सहित छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉक्टर पी के उपाध्यक्ष, निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, डीन गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग,डीन कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य,विश्व विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट, 18/08/2023

पहले ही राउंड में ही सीएसएस की आधी से ज्यादा सीटें भरी

ट्रेंड में आई एग्रीकल्चर की पढ़ाई

EXCLUSIVE

स्टार्टअप और आसानी से गवर्नमेंट जॉब्स के लिए एग्री एजूकेशन पढ़ रहे स्टूडेंट्स

kanpur@inext.co.in

KANPUR (17 Aug): फैशन, लाइफस्टाइल और एजूकेशनल इंस्टीट्यूट्स में ट्रेंड बदलने के साथ साथ स्टूडेंट्स में स्ट्रीम के ट्रेंड में भी चेंजमेंट आया है. एक समय में पिछड़ों की पढ़ाई कही जाने वाली एग्रीकल्चर एजूकेशन इस समय यूथ के ट्रेंड में है. प्रदेश के जानी मानी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में पहले राउंड की काउंसिलिंग के बाद ही यूजी और पीजी दोनों क्रेटेगरी में आधे से ज्यादा सीटें भर गई हैं. एग्रीकल्चर की पढ़ाई को लेकर यूथ में खासा इंटरेस्ट देखा जा रहा है.

यूपीकैटेट के माध्यम से

सीएसए यूपीकैटेट के माध्यम से एडमिशन दिए जाते हैं. में सीटों की बात करें तो यूपीकैटेट की पहली काउंसलिंग के बाद यूजी की 69 और पीजी की 83 परसेंट सीटों पर स्टूडेंट्स ने एडमिशन ले लिए हैं. यूजी की टोटल 528 में से 366 सीटें भर गई हैं. वहीं, पीजी की 246 में 205 सीटों पर एडमिशन ले लिए गए हैं. माना जा रहा है कि दूसरे राउंड की काउंसिलिंग तक 95 परसेंट सीटें भर जाएंगी.

न्यू कैंपस के लिए मारामारी

न्यू सेशन से राजकीय कृषि कॉलेज हरदोई का कैंपस सीएसए के अधीन आ गया है. न्यू सेशन में हरदोई कैंपस में यूजी की टोटल 60 में से 50 सीटों पर एडमिशन हो गए हैं. इसके अलावा सीएसए कैंपस में एमबीए (एग्री बिजनेस) की 60 में 57 सीटों पर एडमिशन हो गए हैं.

> एग्री एजूकेशन में केवल खेत में काम करना या फसलों को बोना ही शामिल नहीं है. यह महज एग्री एजूकेशन का एक पार्ट है. यहां पर सब्जेक्ट स्पेशलिस्ट और साइंटिस्ट तैयार होते हैं. एग्री एजूकेशन को करने के बाद गवर्नमेंट जॉब्स, रिसर्च फील्ड और स्टार्टअप की अपार संभावनाएं हैं.
> -डॉ. आनंद कुमार, वाइस चांसलर सीएसए यूनिवर्सिटी

यूजी की 69 और पीजी की 83 परसेंट सीटों पर हो चुके एडमिशन

PIC. DAINIK JAGRAN INEXT

23 से	528	366	246	205
ज्यादा कोर्स चलते है सीएसए में	सीटे है सीएसए यूजी कोर्सेस में	सीटों पर हो चुके है एडमिशन	सीटे है टोटल पीजी कोर्सेस में	सीटो पर फर्स्ट राउंड में एडमिशन

इसलिए बढ़ा ट्रेंड

एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप कम इंवेस्टमेंट में एंटरप्रेन्योर बन सकते हैं. इसके अलावा एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट, डेयरी, भूमि संरक्षण समेत कई ऐसे गवर्नमेंट डिपार्टमेंट्स हैं, जिनमें केवल एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने वालों के लिए ही मौके होते हैं. इन डिपार्टमेंट्स में आप कनिष्ठ सहायक से लेकर पीसीएस अफसर तक बन सकते हैं. इन सबके अलावा अगर आपने पीएचडी कर ली तो एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट्स में आसानी से टीचिंग सेक्शन में जॉब मिल जाती है. इन सबके अलावा आईसीएआर के इंस्टीट्यूट्स में रिसर्च और गवर्नमेंट के प्लांस में आसानी नौकरी के मौके रहते हैं.

कई कोर्स में बची है सिर्फ एक सीट

सबसे कम सीटें भरने की बात करें तो कैंपस में बीएससी (आनर्स) कम्यूनिटी साइंस की 40 में से 15 सीटें ही पहले राउंड में भरी हैं. दूसरे नंबर पर सबसे कम सीटें भरने में बीएफएससी का नाम है, इसकी टोटल 40 मे से 18 सीटें ही भरी है. अगर पीजी कोर्सेज की बात करें तो स्वाइल कंजर्वेशन एंड वाटर मैनेजमैंट की 10 सीटें फुल हो चुकी हैं, कई कोर्सों में महज एक सीट ही बाकी है.

एग्री एजूकेशन में ये सब्जेक्ट

अगर हम एग्री एजूकेशन की बात करते हैं तो सबसे पहले दिमाग में खेत खलिहान आते हैं. जबकि पूरा एग्री एजूकेशन खेत खलिहान पर निर्भर नहीं हैं. सीएसए के यूजी कोर्सेज की बात करें तो इनमें एग्रीकल्चर, कम्यूनिटी साइंस, फारेस्ट्री और फिशरीज जैसे सब्जेक्ट आते है. बीटेक में एग्रीकल्चर और डेरी टेक्नोलॉजी ब्रांच है. इसके अलावा पीजी कोर्सेज में स्टूडेंट्स को स्पेशलिस्ट बनाया जाता है, इनमें एक्सटेंशन एजूकेशन एंड कम्यूनिकेशन मैनेजमेंट, फूड एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज, बायोकेमिस्ट्री, एग्रोनॉमी, एंटोमोलॉजी, प्लांट पैथोलॉजी, फ्रूट साइंस, डेरी और एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स समेत 23 कोर्स हैं.

पारिवारिक सदस्यों के पक्ष में
अचल सम्पत्ति के दान पर
स्टाम्प ड्यूटी में विशेष छूट

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 17/08/2023

सीएसए में वीरों को किया गया नमन

सीएसए में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वीसी डॉ. आनन्द कुमार सिंह ने मुख्य भवन पर ध्वजारोहण किया. वीसी ने कहा कि मैं उन सभी वीर योद्धाओं को नमन करता हूं एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं जिनकी वजह से आज मैं इस दिन को मना रहा हूं. हम सभी को आजादी की कीमत को समझना होगा.